❀ अनुक्रमणिका ❀

समर्पण

कीर्ति रत्नसूरि मूर्ति

प्रकाशकीय — अगरचन्द नाहटा

आमुख — डा० सत्यव्रत

१ [illegible] …सूरि और उनकी रचनाये